

असाधार्**ए।** EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 2 PART I—Section 2

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

W. 16] No 16] नई विल्ली, संगलवार, नबस्बर 1, 1988/कार्तिक 10, 1910 NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 1, 1938/ KARTIKA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के क्य में एसा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्मिक, लोक शिकायन तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्निक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 1 नप्रमंबर, 1988

श्रधितूचना

संख्या ए.-11013/21/85-प्र.श्र.:—प्रयातिक श्रविकरण श्रविविषम, 1985 (1985 का 13) की बारा 6 को उन्मार (4) द्वारा प्रदेत सन्तिमों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रक्ति न्यायमूरि श्री ग्रनिताय बैनमी का उन्हाही श्री के. मावगरेही के स्थान पर जिन्होंने अपने कर्णकरन की राजनित पर 20 अन्त्रपर, 1988 को केन्द्रीय प्रशासनिक के अधि -करण के अध्यक्ष का प्रदेशर छोड़ दिस था, उनके द्वारा कार्यभार संभावते की तारीख से केन्द्रीय प्रशासनिक प्रतिकारम का अध्यक्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. न्यायनीत भी सनिवास भैननी जो कि इजाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवारत मुख्य न्यायात्रीय है. चिट्टें केन्द्रीय प्रयासनिक अधिकरण का स्रव्यक्ष नियनत किया जा रहा है को सेवाओं को पंचियान की बनारी जानपूनों के भाग थ के पैरा 11(ख)(i) के अथीं के अन्तर्वत बहुक्तिय होता के कर में सबका जाएगा।
- 3. न्यायन्ति श्री ए. नैत्री को सेवा की शर्ते इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायबीश के रूप में उनकी अध्यवर्षता तक, उन्च न्यायलय न्यायाधीश की (सेवा की शतें) म्रविनियन, 1954 जीर उत्तरे अजीत बताये गये नियमों द्वारा शासित होंगी। उसके बाद न्याय र्रोत श्री ए. बैस्त्री की भाग को धारी समय समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय प्रशासनिक म्रधिकरण (मध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्यों के बेदन, भसे तथा सेवा की शतें) नियमावली, 1985 हारा शाहित होनी ।

श्रीमती कृष्णा सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training) New Delhi, the 1st November, 1988

NOTIFICATION

No. A-12013 21185-AT.—In enercise of the powers conferred by subsection (4) of section 6 of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the President is hereby pleased to appoint Shri Justice Amitav Banerji as the Chairman of the Control Administrative Tribunal with effect from the date he enters upon his office vive Shri Justice K. Madhava Reddy who ceased to hold office as the Chairman of the Central Administrative Tribunal upon completion of his term of office on the 20th October, 1988.

2. The services of Shii Justice Amitav Banerji Sitting Chief Justice of Allahabad High Court, who is being appointed as Chairman, Central Administrative Tribunal, shall be treated as Actual Service within the meaning of para 11(b)(i) of Pari D of the Second Schedule to the Constitution.

3. The Conditions of service of Shri Justice A. Banerji till his superannuation as Chief Justice of Allahabad High Court shall be governed by the High Court Judges (Conditions of Service) Act, 1954 and the rules made thereunder. Thereafter the conditions of service of Shri Justice A. Banerji shall be governed by the Central Administrative Tribunals (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairman and Members) Rules, 1985, as amended from time to time.

SMT. KRISHNA SINGH, Jt. Secy.